राजस्थान ब्रजभाषा अकादमी, जयपुर

कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, राजस्थान सरकार

अरु

हिन्दी विभाग

कानोड़िया पी.जी. महिला महाविद्यालय, जयपुर

के संयुक्त तत्वावधान माँहिं आयोजित

राष्ट्रीय संगोष्ठी

फागुन सुदी आठैं-नौमीं वि.सं. २०७९

(27–28 फरवरी, 2023)

ब्रजनायक श्रीकृष्ण : साहित्य अरु विविध विमर्श

आयोजन स्थल

सभागार, कानोड़िया पी.जी. महिला महाविद्यालय

गांधी सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर– 302015, (राजस्थान)

वेबसाइट– www.kanoriacollege.in

जय श्री कृष्ण

"जयति जसोमति के, जाये मनभाये लाल,
लोकन की लालसा के, पूरन करैया हौ।
कहैं कमलाकर, अमंगल हरनहार,
मंगल करन चारु, चरन धरैया हौ।
गुण के निधान औ, प्रधान जनजीवन के,
धुन के महान दुख-दारिद दरैया हौ।
वारिद सी देह के, सनेह के निभैया स्याम,
सुन्दर वरन मन-हरन कन्हैया हौ।।"

परम सनेही सुधीजनों!

जे सुविदित है कै ब्रजधाम, ब्रज संस्कृति अरु ब्रजबानी, त्रयी के माधुर्य की भावधारा नैं असंख्य मानुस मनन की पीर हरी है। ब्रज रज, ब्रज बन-बीथि, बे जमुना के तीर, लता-पता, वनस्पति, खग-पशु सबन मैं आज हू बाही की परतीति है; हाँ बाही कौ आभास है; जानै दधि-माखन चुराय कैं खायौ, गैयान कूँ चरायौ, बंसरी की धुन सौं सबनकूँ लुभायौ, गोपिन संग रास रचायौ; ऊ 'कन्हैया' भारतीय साहित्य कौ केन्द्र अरु चिर-परिचित पौराणिक चरित्र, जो द्वापर युग सौं आज तक, घरन सौं मन्दिरन् तक, भारत-भू सौं सिगरे विश्व तक जन-गन-मन में ऐसौ छायौ भयौ है कै "हरे कृष्ण! हरे कृष्ण! कृष्ण! कृष्ण! हरे-हरे!" की अनुगूँज यत्र-तत्र-सर्वत्र सुव्याप्त है! गुँजायमान है! श्रीकृष्ण कौ चरित्र अरु जीवन सिगरी मानव जाति के लियैं, प्रेम अरु कर्म कौ अमर सन्देश दैतौ आय रह्यौ है, तौ ब्रज संस्कृति नैं सगरे चराचर जगत कूँ, पशु-पालन, गौ-संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण अरु सिगरी कलान के उत्कर्ष कूँ उपयुक्त भाव-भूमि दई है। कैऊ ब्रजभाषा आचार्य अरु कृष्णभक्त कवीन नैं अपने जीवन अरु साहित्य के माध्यम सौं, ब्रज महिमा अरु ब्रजराज की भक्ति के माध्यम सौं, सामाजिक समरसता की धारा में सबन कूँ अवगाहन करिबै कौ सुअवसर दियौ है।

बड़े हर्ष कौ विषय है कै, राजस्थान सरकार के कला, साहित्य, संस्कृति अरु पुरातत्व विभाग की, राजस्थान ब्रजभाषा अकादमी, जैपुर के आर्थिक सहयोग सौं, कानोड़िया महिला महाविद्यालय माँहिं 'ब्रजनायक श्रीकृष्ण : साहित्य अरु विविध विमर्श' विसै पै, दो दिनान की राष्ट्रीय संगोष्ठी कौ आयोजन कियौ जाय रह्यौ है। जामें श्रीकृष्ण के चरित्र अरु जीवन के विविध पक्षन पै सांगोपांग चर्चा करी जायगी। वर्तमान में कृष्ण कौ चरित्र, साहित्य, राजनीति, प्रबन्धन, विधि के माध्यम सौं, कैसैं हमारी नयी पीढ़ी कूँ उचित दिशा दिखायबे मैं समर्थ है? ब्रजभाषा अरु अन्य भारतीय भाषान मैं कृष्ण के जो विविध सरूप प्रचलित रहे हैं, इनपै विस्तार सौं चर्चा करिबै कौ अवसर प्राप्त होएगौ। समापन सत्र माँहिं सरस ब्रजभाषा काव्य-गोष्ठी कौ आयोजन रख्यौ गयौ है। साहित्य अरु संस्कृति संवर्द्धन के जा अनुष्ठान मैं आप सिगरे सुधीजन सादर आमंत्रित हौ! आप सबन सौं निवेदन है कै, पधार कैं आयोजन कूँ सफल बनावैं, जभई जे सिद्ध होयगौ कै-

"ब्रज के परम सनेही लोग।
गारी दैं हँस मिलत गहवरे, अंतर प्रेम संजोग।
जुगल रूप रस दम्पति लीला, ई तिनकौ नित भोग।
नागरीदास सदा आनन्दी, सपनेहूँ नहिं सोग।"

संयोजक

जय श्री कृष्ण

राजस्थान ब्रजभाषा अकादमी, राज. सरकार जयपुर

डॉ. रामकृष्ण शर्मा
अध्यक्ष

श्री गोपाल गुप्ता
सचिव

प्रदेश माँहिं ब्रजभाषा के उन्नयन अरु संवर्द्धन के लियैं राज्य सरकार द्वारा 1985 में राजस्थान ब्रजभाषा अकादमी की स्थापना करी गयी। डॉ. विष्णु चन्द पाठक याके प्रथम अध्यक्ष रहे। राजस्थान ब्रजभाषा अकादमी एक स्वशासी संस्था है। जे राजस्थान राज्य माँहिं ब्रजभाषा साहित्य के प्रचार–प्रसार अरु विकास के लियैं काम करै है। अकादमी कौ उद्देश्य राजस्थान माँहिं अब तक लिखौ गयौ ब्रजभाषा के बहुमूल्य साहित्य की पाण्डुलिपीन की खोज और बिनकी प्रकाशन व्यवस्थान के संग ही राजस्थान में ब्रजभाषा के वरिष्ठ साहित्यकारन व समीक्षकन की रचनान कूँ प्रकाशित करवानौ, साहित्यिक कवि–सम्मेलन, विचारगोष्ठी, परिसंवाद, सृजनतीर्थ, रचना पाठ, रचना शिविर, प्रदर्शनी, अंतर प्रांतीय साहित्यकार बंधुत्व यात्रा, भाषण माला कौ आयोजन, सृजन अनुवाद, साहित्यिक शोध व आलोचनात्मक अध्ययन संबंधी योजना, भाषा वैज्ञानिक एवं साहित्यिक सर्वेक्षण, लोक साहित्य संग्रह अरु ऐसी ही योजनान के लियैं संस्था और व्यक्तीन कूँ वित्तीय सहायता व शोधवृत्ति दैनों, अनुसंधान शाखा सहित अकादमी पुस्तकालय और अध्ययन केन्द्र स्थापित करनों प्रमुख रूप सौं हैं।

अकादमी संकुल, जे–15, झालाना संस्थानिक क्षेत्र, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर, (राजस्थान)

कानोड़िया पी.जी. महिला महाविद्यालय जयपुर

डॉ. रश्मि चतुर्वेदी
निदेशक

डॉ. सीमा अग्रवाल
प्राचार्य

राजस्थान की राजधानी जयपुर माँहिं, जवाहर लाल नेहरू मार्ग गांधी सर्किल पै स्थित, 8.67 एकड़ माँहिं फैल्यौ भयौ है। हमारौ जे महाविद्यालय ना केवल राजस्थान वरन् सिगरे उत्तर भारत माँहिं अपनी विशेष पहचान रखै है। राजस्थान विश्वविद्यालय सौं मान्यता प्राप्त जा महाविद्यालय में लगभग 6500 छात्राएँ कला, विज्ञान एवं वाणिज्य विसैन में स्नातक स्नातकोत्तर एवं व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त कर रही हतैं। राजस्थान राज्य सरकार के आर्थिक सहयोग अरु स्वर्गीय भागीरथ जी कानोडिया के सद्प्रयासन सौं 1965 में स्थापित जे महाविद्यालय विगत 57 वर्षन सौं महिला शिक्षा की अलख जगाय, छात्रान कौ सर्वांगीण विकास कर समाज अरु राष्ट्र निर्माण में निरंतर अपनौं योगदान देतौ आय रहौ है। शैक्षणिक गुणवत्ता के संग इहाँ सह शैक्षणिक गतिविधीन पै हू पूरौ ध्यान दियौ जाय। जैहि कौ परिणाम है कै इहाँ सौं अध्ययन करिकैं निकरी छात्रान नैं, समाज मैं अपनी विशिष्ट पहचान बनाय कैं महाविद्यालय कूँ गौरवान्वित कियौ है।

गांधी सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर– 302015, (राजस्थान)

जय श्री कृष्ण

आयोजन–समिति

संगोष्ठी–संयोजक

डॉ. शीताभ शर्मा
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, कानोड़िया महिला महाविद्यालय एवं
उपाध्यक्ष, राजस्थान ब्रजभाषा अकादमी
(मो.नं. 7849826042)

सह–संयोजक

डॉ. धर्मा यादव
सहायक–आचार्य
हिन्दी विभाग, कानोड़िया महिला महाविद्यालय
(मो.नं. 8005872746)

डॉ. दीप्तिमा शुक्ला
उप–प्राचार्य (कला संकाय), कानोड़िया महिला महाविद्यालय

डॉ. मनीषा माथुर
अध्यक्ष
लोक प्रशासन विभाग

डॉ. नीलम बागेश्वरी
अध्यक्ष
भूगोल विभाग

डॉ. प्रभा बजाज
अध्यक्ष
संगीत विभाग

डॉ. सारिका कौल
अध्यक्ष
चित्रकला विभाग

डॉ. चारू गोयल
अध्यक्ष
अंग्रेज़ी विभाग

विजयलक्ष्मी गुप्ता
अध्यक्ष
अर्थशास्त्र विभाग

डॉ. ऋचा चतुर्वेदी
अध्यक्ष
गृह विज्ञान विभाग

डॉ. सुमन धनाका
अध्यक्ष
इतिहास विभाग

डॉ. स्वीटी माथुर
अध्यक्ष
समाजशास्त्र विभाग

डॉ. मीनाक्षी श्रीवास्तव
अध्यक्ष
दर्शनशास्त्र विभाग

डॉ. शुचि चौधरी
अध्यक्ष
मनोविज्ञान विभाग

डॉ. प्रीति अग्रवाल
सहायक आचार्य
व्यावसायिक प्रबंधन विभाग

डॉ. विष्णुप्रिया टेमाणी
सहायक आचार्य
ए.बी.एस.टी. विभाग

डॉ. सुरभि माथुर
सहायक आचार्य
ई.ए.एफ.एम. विभाग

डॉ. कांता सोनी
सहायक आचार्य
हिन्दी विभाग

जय श्री कृष्ण

सत्र रूपरेखा

पहलौ दिना : सोमवार 27 फ़रवरी, 2023

प्रातः 09:00 बजे	–	उद्घाटन सत्र
प्रातः 11:00 बजे	–	अल्पाहार
प्रातः 11:30 बजे	–	पहलौ चर्चा सत्र (विसै– 'ब्रजभाषा साहित्य में श्रीकृष्ण')
मध्यान्ह 01:30 बजे	–	भोजन अन्तराल
मध्यान्ह 02:00 बजे	–	दूसरौ चर्चा सत्र (विसै– 'भारतीय साहित्य में श्रीकृष्ण')
सायं 04:00 बजे	–	चाय

दूसरौ दिना : मंगलवार 28 फ़रवरी, 2023

प्रातः 09:00 बजे	–	अल्पाहार
प्रातः 09:30 बजे	–	तीसरौ चर्चा सत्र (विसै– 'श्रीकृष्ण के राजनीतिक विमर्श')
प्रातः 11:30 बजे	–	चौथौ चर्चा सत्र (विसै– 'श्रीकृष्ण के प्रबन्धकीय विमर्श')
मध्यान्ह 01:30 बजे	–	भोजन अन्तराल
मध्यान्ह 02:00 बजे	–	समापन सत्र (विसै– 'ब्रजरस काव्य साँझ')
सायं 04:30 बजे	–	चाय

विमर्श बिन्दु

- भारतीय साहित्य में श्रीकृष्ण
- ब्रजभाषा साहित्य में श्रीकृष्ण
- जैन साहित्य में श्रीकृष्ण
- आदिकालीन साहित्य में कृष्ण विमर्श
- भक्तिकालीन साहित्य में कृष्ण भक्ति
- रीतिकालीन काव्य में कृष्ण स्वरूप
- आधुनिक हिन्दी साहित्य में कृष्ण
- भ्रमरगीत परम्परा एवं श्रीकृष्ण
- रसिया काव्य में कृष्ण स्वरूप
- श्रीकृष्ण : राजनीतिक विमर्श
- श्रीकृष्ण : प्रबन्धकीय विमर्श
- श्रीकृष्ण और समरसता
- कृष्ण भक्ति विविध सम्प्रदाय
- कृष्ण साहित्य में स्त्री विमर्श
- लोक साहित्य व लोकगीतों में कृष्ण
- कृष्ण काव्य में फाग व अन्य पर्व
- रसिया काव्य में कृष्ण स्वरूप

सहभागिता निर्देश

1. इच्छुक सहभागी, हिन्दी फोन्ट 'क्रुतिदेव' माँहिं मुद्रित शोध आलेख 24 फरवरी, 2023 तक ईमेल brajshatdal@gmail.com पै एम.एस. वर्ड तथा पी.डी.एफ़ दोनू फाइलन (फॉर्मेट) मैं भेज दैं।
2. यदि सम्भव है सकै तौ आलेख ब्रजभाषा या हिन्दी माँहिं मुद्रित कर भिजवायबै कौ प्रयास करैं।
3. आलेख की एक मुद्रित प्रति संग लैकें आवैं। पावरपॉइंट प्रस्तुति के लियैं पहलैं ही सूचित करैं।
4. आलेख पै सहभागी अपने रंगीन चित्र (पासपोर्ट आकार) के संग पतौ और मोबाइल नम्बर अवश्य लिखैं।
5. संगोष्ठी के हर सत्र माँहिं चयनित तीन आलेखन कौ वाचन करायौ जायगौ तथा आलेख वाचकन कूँ 1100 रुपैया प्रोत्साहन राशि भैंट करी जायगी।
6. चयनित आलेख अकादमी की त्रिमासिक पत्रिका 'ब्रज शतदल' माँहिं प्रकाशित करे जाइंगे।
7. जैपुर सौं बाहर के सहभागी आवास सुविधा के लियैं 22 फरवरी, 2023 तक अनिवार्य रूप सौं सूचित कर व्यवस्था में सहयोग करैं।
8. नीचैं दये भये लिंक सौं 26 फरवरी, 2023 सायं 5 बजे तक ऑनलाइन पंजीकरण अवश्य कर लैं–

https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLScUHM86g-lHNFBDVNnUOPKTL_16Tw2WvZc-V-vvdBE2dc2GoA/viewform

9. ऑनलाइन पेमेंट रसीद कौ स्क्रीनशॉट ऑनलाइन फॉर्म में अवश्य अपलोड करैं।
   बैंक खाता संख्या – 0247000101286410 (Kanoria PG Mahila Mahavidyalaya Jaipur Seminar)
   आई.एफ.एस.सी. कोड – PUNB0024700, बैंक एवं शाखा – पंजाब नैशनल बैंक, बापू नगर, जयपुर
   पंजीकरण शुल्क – शिक्षक एवं अन्य : छह सौ रुपैया (600/–) शोधार्थी : चार सौ रुपैया (400/–)
10. संगोष्ठी माँहिं सहभागिता के लियैं पंजीकरण 27 फरवरी, 2023 कूँ प्रातः 9 बजे सौं आयोजन स्थल पैऊ करे जाइंगे।
11. अधिक जानकारी कूँ इन मोबाइल नम्बरन पै सम्पर्क करैं– डॉ. चारु गोयल (7849826036), डॉ. सुरभि माथुर (9468860323), डॉ. विष्णुप्रिया टेमाणी (7849826011), डॉ. कान्ता सोनी (8619913806)

जय श्री कृष्ण